बच्चे और जवान यीशु मसीह की सेवकार्य करने में आन्नद उठाते हैं।

यीशु मसीह महान आदर्श बच्चों है के लिये उनका अनुसारण करें।

उन क्रियायों जो बच्चों की आयु अनुसार और उनके आवश्यकताओ को जो बहुत ज़रूरी है वह चुने।

शिक्षक की प्रार्थना: "परमेश्वर आपने हर जगह हर समय बच्चों से प्रेम किया। हमारी भी सहायता करें कि हम भी उनके प्रति करुणामय और दयालु रहें जैसे आप रहते है, और उनसे सीखें।"

बच्चों की प्रार्थना: "प्यारे यीशु हम आपका धन्यवाद करते हैं कि आप हम बच्चों को प्रेम करते हैं और लोगो को यह दिखाने के लिये कि आप किस प्रकार हमारे साथ दयालुता का व्यवहार करते हैं हमारी सहायता करे कि जो कुछ आपने कहा है वैसी ही सेवाकार्य हम कर सकें।"

यीशु ने बच्चों को अपनी गोद में उठाया अपना हाथ बढ़ाकर उनके सिर पर रखा और आशीष दी (मरकुस 10:16)

चित्रण करें।

- एक खुशनुमा बच्चे का चित्र बनायें यह समझाने के लिये कि यीशु बच्चो की देख रेख करते हैं।
- बड़े बच्चे जवान बच्चों की सहायता करें।

यह चित्र माता-पिता को दिखायें और समझाये कि यीशु मसीह बच्चों को प्यार करते हैं। मरकुस 10:13-16 में देखें कि यीशु बच्चों की कैसी देखभाल करते हैं। इसे पढ़े और बच्चों को याद करने के लिये वर्णन करें। अगर सम्भव हो सके तो एक बड़ा बच्चा इसे पढ़े था कहानी के रूप में कहें।

बच्चों से पूछें:

- लोग बच्चों को यीशु के पास क्यों लाने लगे? (बच्चें इसका उत्तर दें)
- किसने कहा कि बच्चों को मत आने दो?
- यीशु मसीह को कैसा महसूस हुआ जब उन्होंने देखा कि बच्चों को वापिस भेज दिया गया है।
- यीशु मसीह ने बच्चों के बारे में क्या कहा?

- बच्चों को हमारी आराधना में स्वागत करना कितना महत्वपूर्ण है?

  सीखने की क्रियायें: जब अभिभावक बच्चों को यीशु के पास लाते हैं तो क्या घटनायें होती है।

  बच्चे: ऐसा दिखाये जिस प्रकार वे यीशु के चेले हैं।

- अभिभावकों को बतायें कि कौन से कारणों से बच्चों को यीशु के पास आने से मना किया गया? उदाहरण:
- "यीशु बहुत व्यस्त है।"
- "ये बच्चे इतने समझदार नहीं थे कि परमेश्वर के वचन को समझ सकते।"
- "आप हमारे महान शिक्षक का तिरस्कार कर रहे हैं।
- बच्चे बतायें जो कुछ वह ठीक समझते हैं कि चेलों ने किया।

बच्चे : ऐसा व्यवहार करे मानो माता-पिता हों और आप कारण बतायें जो बच्चों को यीशु के पास आने से रोकते हैं।

बच्चें : ऐसा व्यवहार करें मानों आप वही बच्चे हैं जिनको यीशु बुलाता है। आप यीशु के बारे में क्या कहते हैं?

नाटक करें : यीशु के पास आने वाले बच्चों की कहानी (मरकुस 10:13-16) पढ़कर।

- आराधना के समय वयस्क लोगों के सम्मुख सक्षिस नाटिका प्रस्तुत करें। आराधना के अगुवों के साथ मिलकर तैयार करें।
- यदि कुछ लोग बच्चों के साथ मिलकर इस नाटिका को करते हैं, तो यह नाटिका और अधिकार से हम प्रस्तुत कर सकते है।
- बड़े बच्चे छोटे बच्चों की नाटिका की तैयारी मे सहायता करें।
- बड़े बच्चे या वयस्क लोग माता-पिता वाचक और यीशु का पात्र बन सकते हैं।
- जवान बच्चे चेलों का पात्र और बच्चों के पात्र बन सकते हैं।

अभिभावक : बच्चों का हाथ पकड़कर यीशु की ओर ले जाते हुये, जो कमरे के एक ओर बैठे हैं। कहते हैं "आओ, हम सब यीशु को देखने चलें।"

वाचक : मरकुस 10:13 पढ़े।

चेले : (यीशु के पास खड़े हैं) ऊपर लिखे क्रियायों में यीशु के चेले ने गुस्से में होकर क्या करते हैं वह बोले। आप सोचे कि चेलो ने क्या कहा होगा।

अभिभावक : अभ्यास की हुई क्रियायों में जो सीखा है, वैसे ही चेलो से गुस्से में वाद विवाद करें। आप अपने शब्दों का प्रयोग करें।

यीशु : यीशु के वचनों को मरकुस 10:14 से लेकर बड़ी तेज़ी से बोले.....

"छोटे बच्चों को मेरे पास आने दो उन्हें मना मत करो क्योंकि परमेश्वर का राज्य ऐसे ही का है।"

चेले : यह बाते अपने शब्दों में कहें...."परमेश्वर, आप बहुत ही वयस्त हैं।" "आप अपना समय छोटे 2 बच्चों के साथ बर्बाद नहीं कर सकते"।

यीशु : यीशु के वचनों की मरकुस 10:15 से लेकर दुबारा कहें....

"मैं तुमसे सच कहता हूँ; जो परमेश्वर के राज्य को छोटे बच्चों की तरह ग्रहण नहीं करता, उस में प्रवेश नहीं कर सकता।" (बच्चों को प्यार करते हुये)

वाचक : मरकुस 10:16 ऊँचे शब्दों से पढ़ते हैं। फिर उन सभी का धन्यवाद करे जिन्होंने इस नाटिका में सहायता की।

यदि बच्चे आराधना के समय इस नाटिका को प्रस्तुत करते हैं तो मरकुस 10:13-16 में से जैसे ऊपर दिये गये हैं प्रश्न पूछें या प्रश्न जो उन्होंने तैयार किये हैं। अब कविता पाठ दुबारा से करें तथा याद करने वाली आयत वयस्क करें।

कविता- प्रत्येक बच्चे को भजन 127 पद 1, 3, 4, 5 बोलने के लिए कहें

यदि घर को यहोवा न बनाए तो बनानेवालों का परिश्रम व्यर्थ होगा।

यदि नगर की रक्षा यहोवा न करें, तो रखवाले का जागना व्यर्थ ही होगा।

देखो, लड़के यहोवा के दिए हुए भाग है, वे उसकी ओर से प्रतिफल है।

जैसे वीर के हाथ में तरि, वैसे ही जवानी के लड़के होते हैं।

क्या ही धन्य है वह पुरूष जिस ने अपने तर्कश को उन से भर लिया हो।

बड़े बच्चे बच्चों से प्रेम करने वाली कविता, गति या छोटी कहानियां लिखे या बड़े बच्चे छोटे बच्चों की सेवा करने के विषय में लिखें।

याद करने के लिए पद

- बड़े बच्चे याद करें मरकूस 10:13-15 ।
- छोटे बच्चे सिर्फ यीशु के शब्द को याद करें, मरकूस 10:14 ।